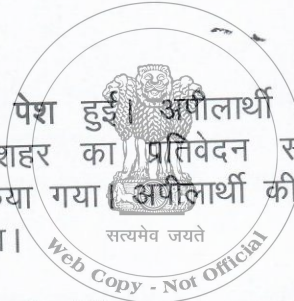


अपील सूचना अधिकार संख्या 87/2017 अनवानी श्री सन्दीप कुमार बिडासरा  
पुत्र श्री खिराज सिंह गांव व डाकखाना लाडवी तहसील आदमपुर जिला हिसार  
राज्य हरियाणा बनाम तहसीलदार (राजस्व) सादुलशहर

17-01-2018

पत्रावली पेश हुई। अपीलार्थी श्री सन्दीप कुमार उपस्थित है।  
तहसीलदार, सादुलशहर का प्रतिवेदन संख्या विविध/2017/02 दिनांक  
17.01.18 शामिल किया गया। अपीलार्थी की बहस सुनी गई एवं पत्रावली का  
अवलोकन किया गया।



अपीलार्थी श्री संदीप कुमार का कथन है कि उसके द्वारा सूचना का  
अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन पत्र दिनांक 31.08.2017 के द्वारा  
तहसीलदार, सादुलशहर से चाही गई सूचना के संबंध में उनके द्वारा पत्र सं0  
143 दिनांक 27.09.17 से उसे अवगत करवया गया है कि रिकार्ड पुराना है  
जिसे दीमक द्वारा नष्ट करना बताकर केवल अन्य पिछड़ी जाति के प्रमाण पत्र  
की प्रमाणित प्रतिलिपि उपलब्ध करवाई गई है, पिछड़ी जाति प्रमाण पत्र के  
सलंगन दस्तावेज की प्रतियां उपलब्ध नहीं करवाई गई है। उनके द्वारा दुर्भावना  
के तहत कार्य करते हुए रिकार्ड दीमक द्वारा नष्ट करना बताया है जो सत्य  
प्रतीत नहीं होता है। जबकि मांगे गये दस्तावेज उनके द्वारा कई बार सूचना  
आयोग में पेश किये जा चुके हैं और सूचना आयोग द्वारा किसी अन्य प्रार्थी को  
यह दस्तावेज उपलब्ध करवाने के निर्देश भी उन्हें दिये गये हैं। इसलिए उसके  
द्वारा चाही गई सूचना उपलब्ध करवाने का आदेश प्रदान किया जावे।

मैंने उक्त तर्कों पर मनन किया एवं पत्रावली का अवलोकन किया तो  
पाया कि अपीलार्थी श्री सन्दीप कुमार ने सूचना का अधिकार अधिनियम के  
तहत अपने आवेदन पत्र दिनांक 31.08.2017 के द्वारा लोक सूचना अधिकारी,  
तहसीलदार सादुलशहर से निम्न सूचना चाही थी:-

1. कार्यालय तहसीलदार (राजस्व) सादुलशहर द्वारा 29.11.2006 से 01.12.2006 तक जारी किए गये अन्य पिछड़ी जाति की प्रमाण पत्रों की प्रमाणित प्रतियां प्रदान करने की कृपा करें।
2. उपरोक्त प्रमाण पत्रों को लेने के लिए प्रार्थीयो द्वारा जमा करवाये गये सभी दस्तावेजों जैसे की आवेदन पत्र, शपथ पत्र, वोटर कार्ड, पहचान पत्र, राशनकार्ड, पैन कार्ड, जन्म प्रमाण-पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां प्रदान करने की कृपा करें।
3. प्रथम अपील अधिकारी का पद नाम व पूरा पता लिखित रूप से देने का कष्ट करें।

अपीलार्थी के अपील पत्र पर तहसीलदार (राजस्व) सादुलशहर  
द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन संख्या विविध/2017/02 दिनांक 17.01.18 प्रस्तुत किया  
है कि अपीलार्थी को कार्यालय में उपलब्ध रिकार्ड की प्रमाणित प्रतिलिपियां  
उपलब्ध करवा दी गई है।

-2- अपील सू0अ0अ0 संख्या 87/2017

तहसीलदार (राजस्व) सादुलशहर ने अपने पत्र सं0 विविध/2017/143 दिनांक 27.09.17 से अपीलार्थी को निम्नानुसार सूचना उपलब्ध करवाई गई है:-

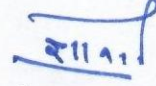
- बिन्दु सं0 1-कार्यालय तहसीलदार (राजस्व) सादुलशहर द्वारा दिनांक 29.11.2006 से 01.12.2006 तक जारी किये गये अन्य पिछड़ी के प्रमाण पत्र सम्बन्धी रजिस्टर की प्रमाणित प्रतिलिपि प्रेषित है। प्रमाण पत्र सम्बन्धी रिकार्ड पुराना होने से स्टोर रूम में रखा हुआ था जिसे दीमक द्वारा नष्ट कर दिया गया है।
- बिन्दु सं0 2-अन्य पिछड़ी जाति प्रमाण पत्रों सम्बन्धी प्रार्थीयो द्वारा जमा करवाये गये सभी दस्तावेज जैसे की आवेदन पत्र, शपथ पत्र, वोटर कार्ड, राशन कार्ड, पैन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज सम्बन्धी रिकार्ड पुराना होने से स्टोर रूम में रखा हुआ था जिसे दीमक द्वारा नष्ट कर दिया गया है।
- बिन्दु सं0 3- प्रथम अपीलीय अधिकारी का नाम श्रीमान जिला कलेक्टर श्रीगंगानगर।

तहसीलदार (राजस्व) सादुलशहर द्वारा पत्र दिनांक 27.09.17 के अनुसार उनके कार्यालय में उपलब्ध पिछड़ी जाति प्रमाण पत्र संबंधी रजिस्टर की प्रमाणित प्रतिलिपि उपलब्ध करवाई गई है शेष दस्तावेज से संबंधित रिकार्ड पुराना होने की वजह से स्टोर रूम में रखा हुआ था जो दीमक द्वारा नष्ट कर दिये जाने के कारण सूचना उपलब्ध नहीं करवाई गई है। सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 2(एफ) के अनुसार सूचना वही देय है जिस पर लोक सूचना अधिकारी की पहुंच हो अर्थात् दूसरे शब्दों में सूचना वही देय है जो निश्चित अभिलेखों में उपलब्ध हो और प्रश्नात्मक रूप में नहीं होनी चाहिए। सूचना के रूप में प्रत्यर्थी न तो नई सूचना बना सकते हैं और न ही वे स्वयं का मत दे सकते हैं। लोक सूचना अधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह आवेदक को सामग्री उसी रूप में प्रदान करे जिस रूप में लोक प्राधिकरण के पास उपलब्ध है। सामग्री में से कुछ तथ्यों को खोजकर नागरिक को ऐसे खोजे गये तथ्यों को प्रदान करना लोक सूचना अधिकारी का काम नहीं है। इस अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत किसी लोक अधिकारी को किसी भी कार्य को किसी विशेष तरीके से करने या न करने के आदेश/निर्देश नहीं दिये जा सकते। सूचना का अधिकार अधिनियम में प्रदत्त "सूचना" का अर्थ विभिन्न स्वरूपों में उपलब्ध सूचना तक सीमित है तथा जिस स्वरूप में सूचना उपलब्ध है उसी रूप में उसे प्रदान किया जा सकता है। सूचना के रूप में कोई सुझाव देना, किसी परिवेदना के निवारण के लिए प्रार्थना करना अथवा किसी नियम या सामग्री के बारे में स्पष्टीकरण या उसकी व्याख्या प्राप्त करने की कोई गुंजाईश नहीं है। इस प्रकार लोक सूचना अधिकारी, तहसीलदार (राजस्व) सादुलशहर द्वारा अपीलार्थी को दिया गया उक्त उत्तर दिनांक 27.09.2017 सही है जिसमें किसी प्रकार के हस्तक्षेप की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है। इसलिए: अपीलार्थी की अपील खारिज करने योग्य है।

-3- अपील सू०अ०अ० संख्या 87/2017

उपरोक्त विवेचन के आधार पर अपीलार्थी की अपील खारिज की जाती है। आदेश की प्रति लोक सूचना अधिकारी एवं तहसीलदार (राजस्व) सादुलशहर को पालनार्थ भेजी जावे। आदेश की प्रति अपीलार्थी को भी भिजवाई जावे। पत्रावली बाद तरतीब तकमील दाखिल दफतर हो।

यह आदेश आज दिनांक 17.01.2018 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।



( ज्ञाना राम )

जिला कलेक्टर  
श्रीगंगानगर